बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

कलीसिया का मुसीबतों से सामना

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Janie Forest

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2017 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के मृतकों में से जी उठने के पचास दिन बाद, पवित्र आत्मा उनके अनुयायियों के साथ रहने के लिए आया। हालांकि चेले इस बात को समझ नही पाये की परमेश्वर पिता, ...

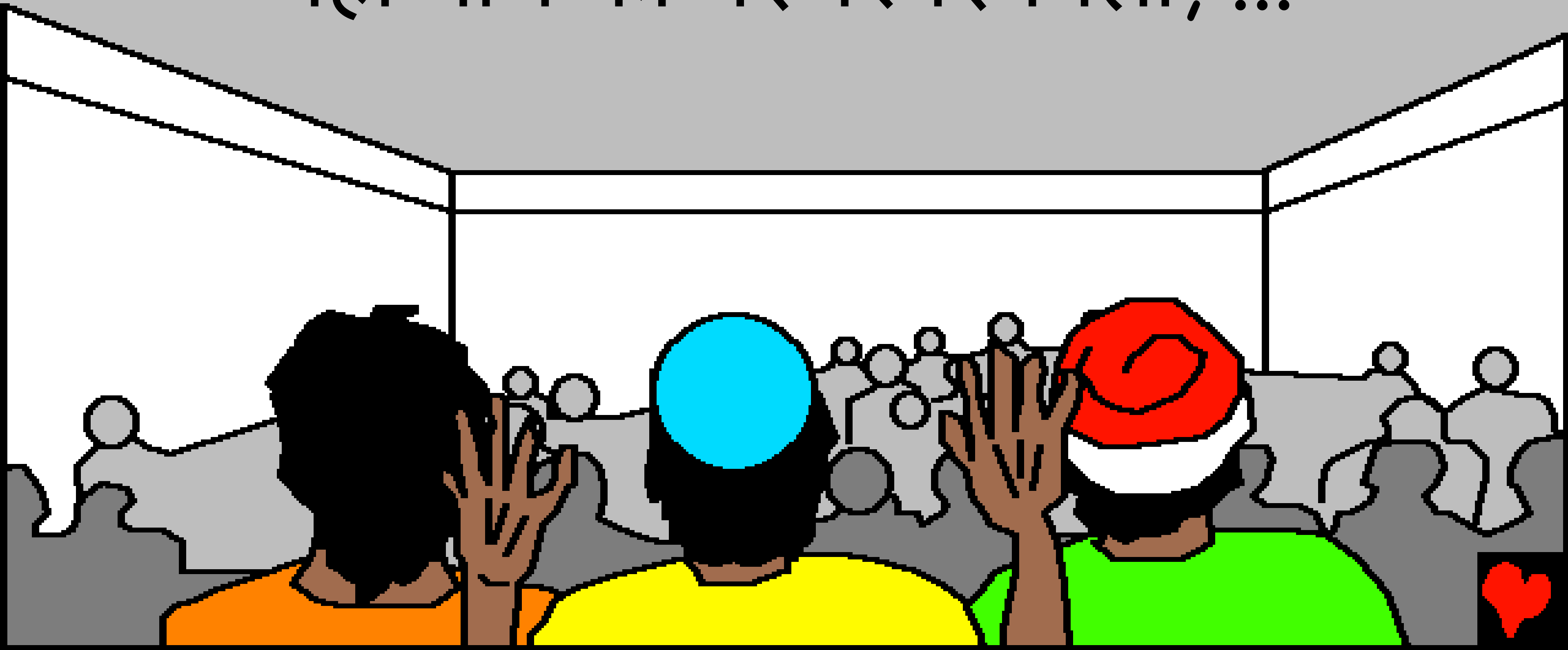

... परमेश्वर का पुत्र (यीशु) और परमेश्वर की पवित्र आत्मा सब, एक त्रिएक परमेश्वर है; वे अपने साथ में परमेश्वर के होने मात्र से ही खुश थे। परमेश्वर ने प्रेरितों को यीशु के बारे में दूसरों को बताने के लिए अद्भुत रीती से मदद किया।

यीशु पर विश्वास करने वाले सभी लोगों ने अपना सबकुछ साझे का समझा ताकि वे गरीबों की देखभाल और मदद कर सकें। लेकिन हनन्याह और सफीरा नामक एक पति-पत्नी ने बेईमानी किया।

उन्होंने कुछ जमीन के टुकड़े को बेचा और प्रेरितों के पास सभी पैसे लाने का नाटक किया।

वे खुद के लिए, चुपके से, कुछ वापस रख लिए।

"क्यों शैतान ने तुम्हारे दिल को ... पवित्र आत्मा से झूठ बोलने के लिए भर दिया है?" पतरस ने हनन्याह को पूछा।

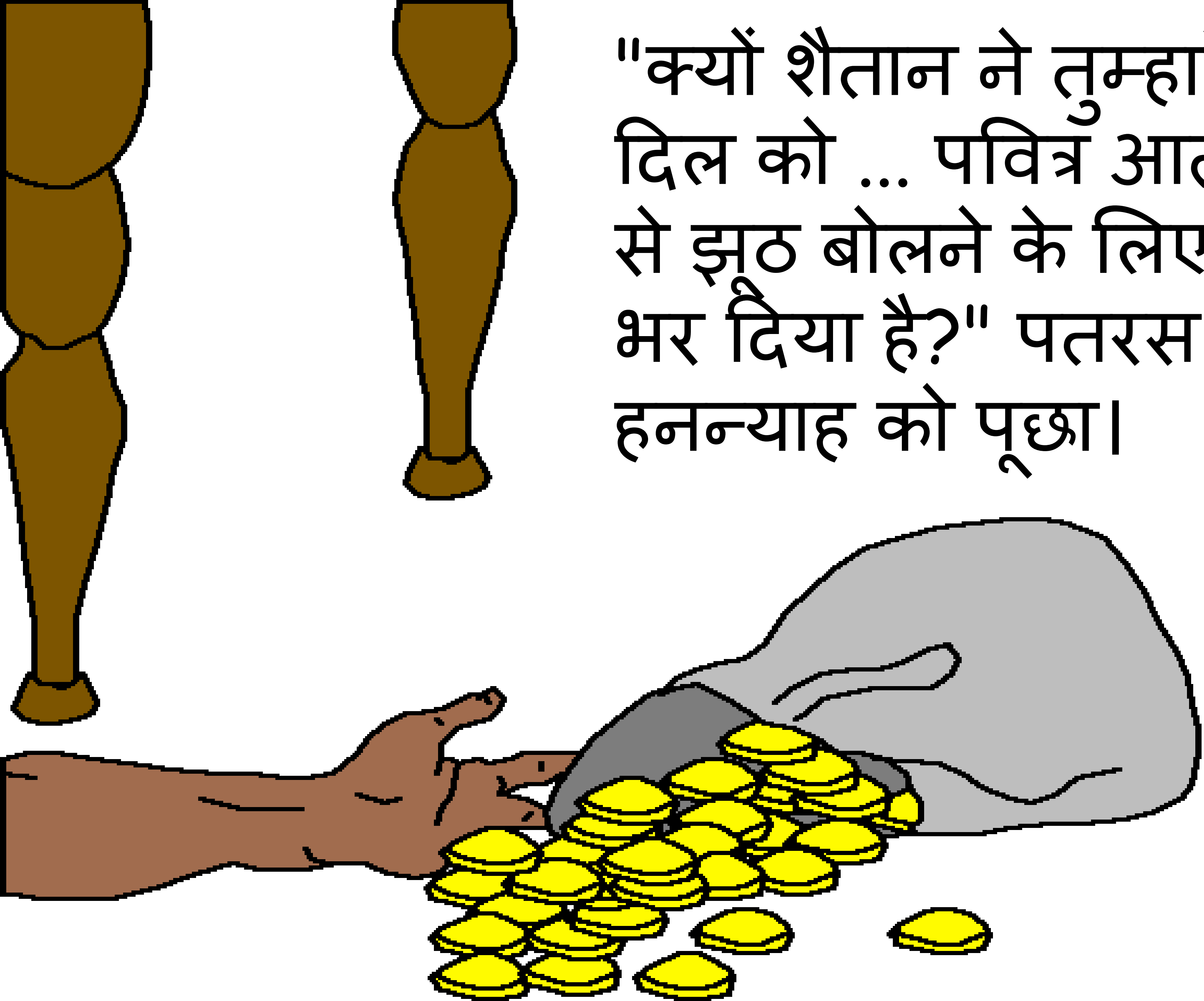

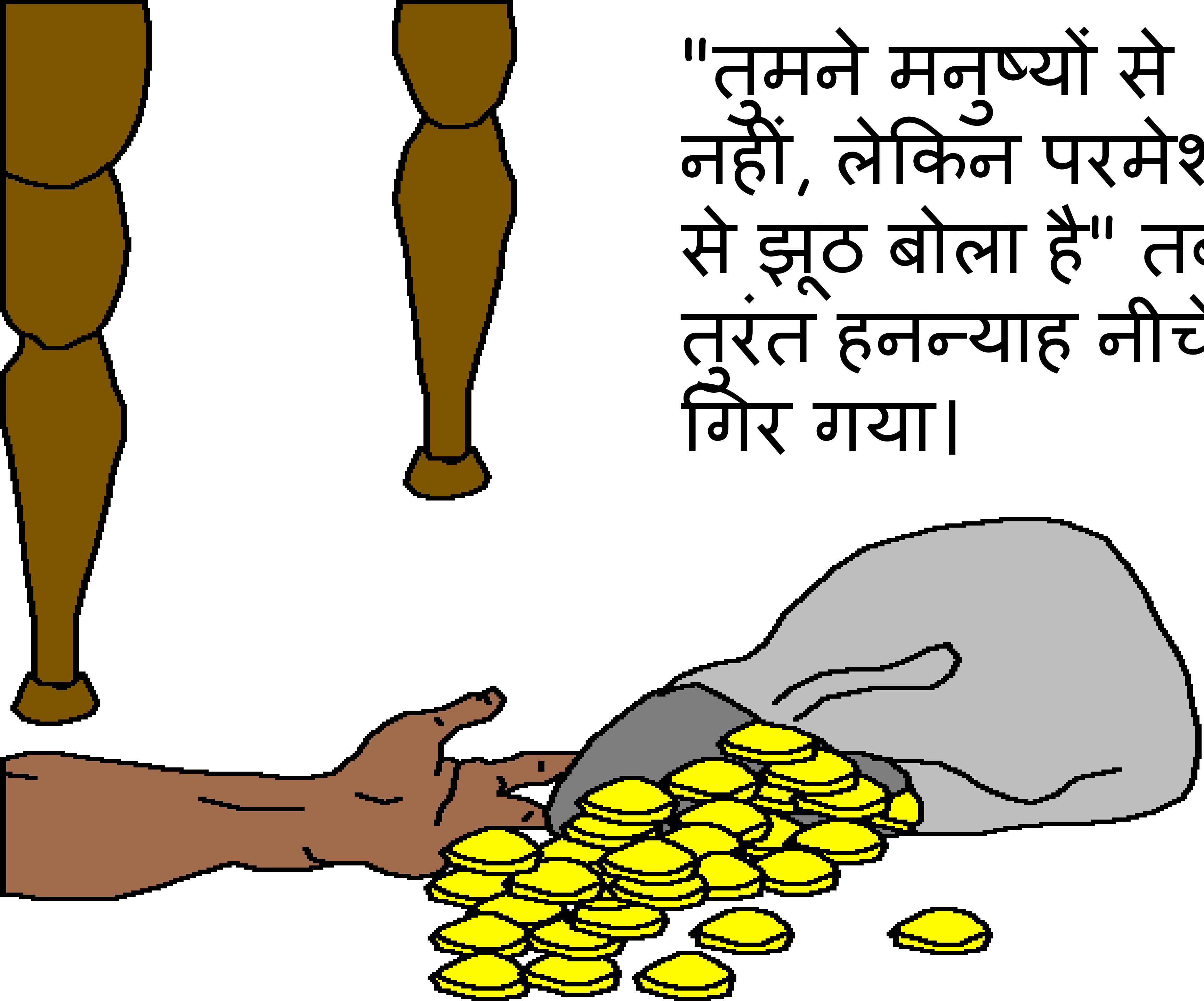

"तुमने मनुष्यों से नहीं, लेकिन परमेश्वर से झूठ बोला है" तब तुरंत हनन्याह नीचे गिर गया।

और उसने अंतिम साँसे ली। तब जवान पुरुषों ने उसे लपेटा, बाहर ले गये और उसे दफना दिए।

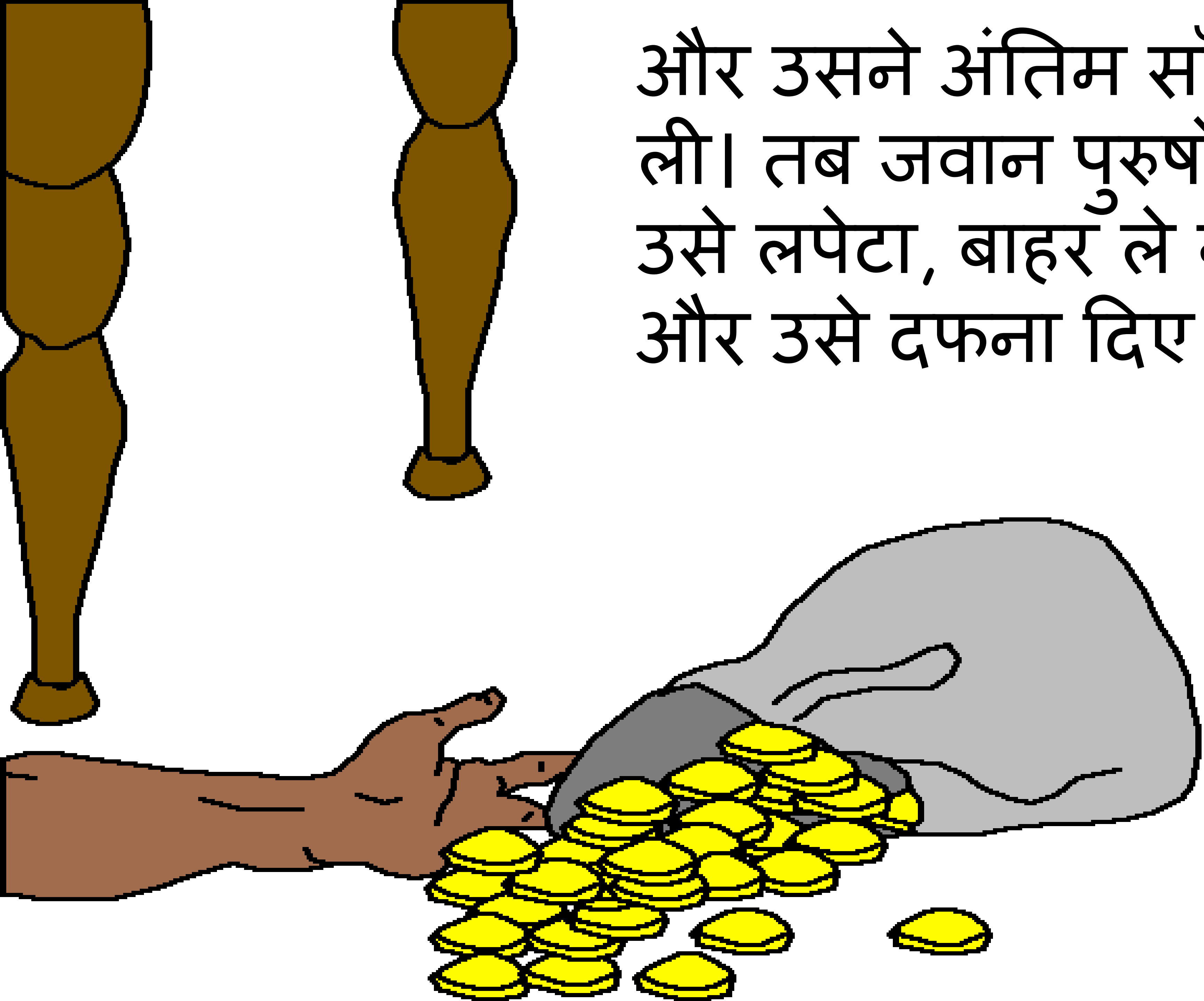

थोड़े समय बाद, सफीरा अपने पति की मृत्यु की खबर जाने बिना अंदर आयी। वह भी पैसे के बारे में झूठ बोली - और उसके साथ वैसा ही हुआ। जितनो ने इन बातों को सुना उनपर एक बड़ा भय छा गया।

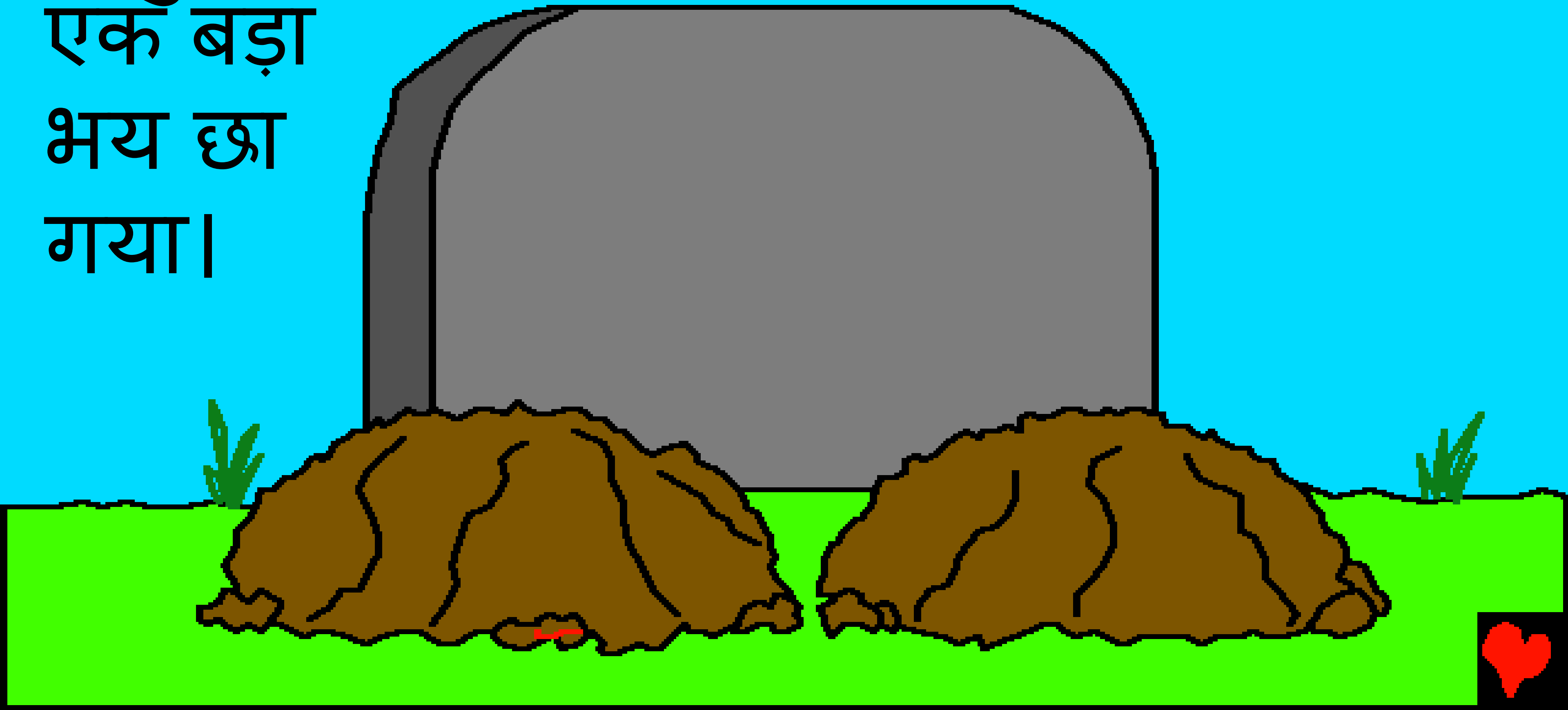

परमेश्वर की पवित्र आत्मा ने प्रेरितों के माध्यम से कई अदभुत चिंन्ह और चमत्कार किया।

उदाहरण के लिए - जिनपर पतरस की केवल छाया मात्र पड़ती थी, वे बीमार लोग

भी चंगे हो जाते थे।

यह परमेश्वर की उपस्थिति, तथा उसके महान चमत्कारों को दिखाने का एक
उज्वल समय था।

अधिक से
अधिक लोगों
ने यीशु
पर विश्वास
किया। यह बात
महायाजकों को

बहुत क्रोधित कर
दिया। वे प्रेरितों को
जेल में डाल दिये!

लेकिन एक रात
प्रभु का एक दूत
जेल के दरवाजों
को खोल दिया,
उन्हें बाहर ले
आया, और उनसे
कहा, जाओ "मंदिर में खड़ा हो, और इस
जीवन के सभी बातों को लोगों को बाताओ।"

प्रेरित बाहर चले
गये और यीशु
के बारे में प्रचार
करना शुरू किया। सुबह में, महायाजकों
के आदमियों ने जेल को खाली पाया।

आखिरकार जब वे उन्हें मिले तब महायाजकों ने प्रेरितों को बहुत डांटा। "क्या हमने कड़ाई से तुम सब को इस नाम को सिखाने के लिए मना नहीं किया था?" पतरस और अन्य प्रेरितों ने जवाब दिया, ...

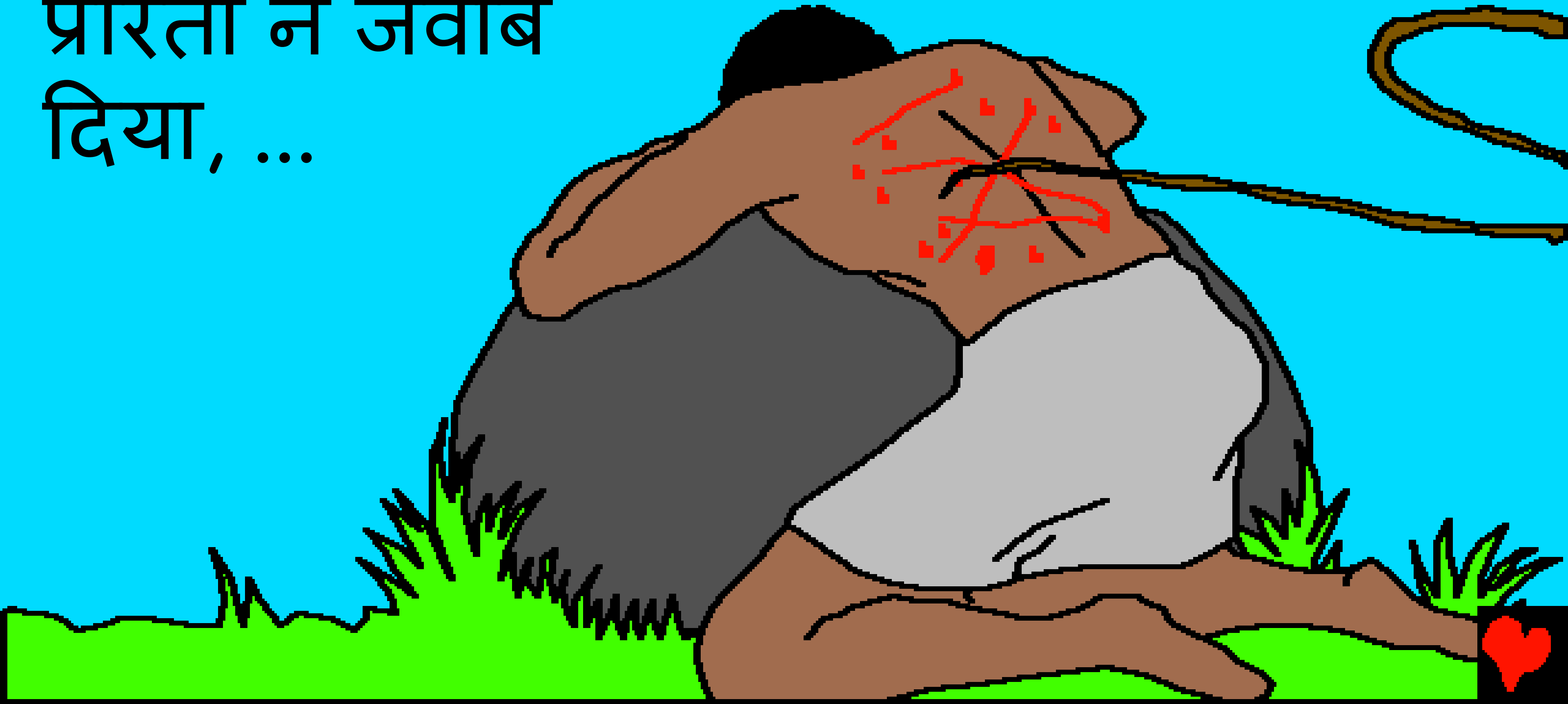

... "हम, मनुष्यों की तुलना में परमेश्वर के आज्ञाओं का पालन करना चाहेंगे" इससे महायाजक बहुत क्रोधित हुआ और वह प्रेरितों को जान से मार डालना चाहता था।

परन्तु वह उन्हें बेतों से मारकर छोड़ने का आदेश दिया।

उनके इस दर्द के बावजूद, प्रेरितों ने परमेश्वर की बात मानी और यीशु के बारे में उपदेश देना जारी रखा।

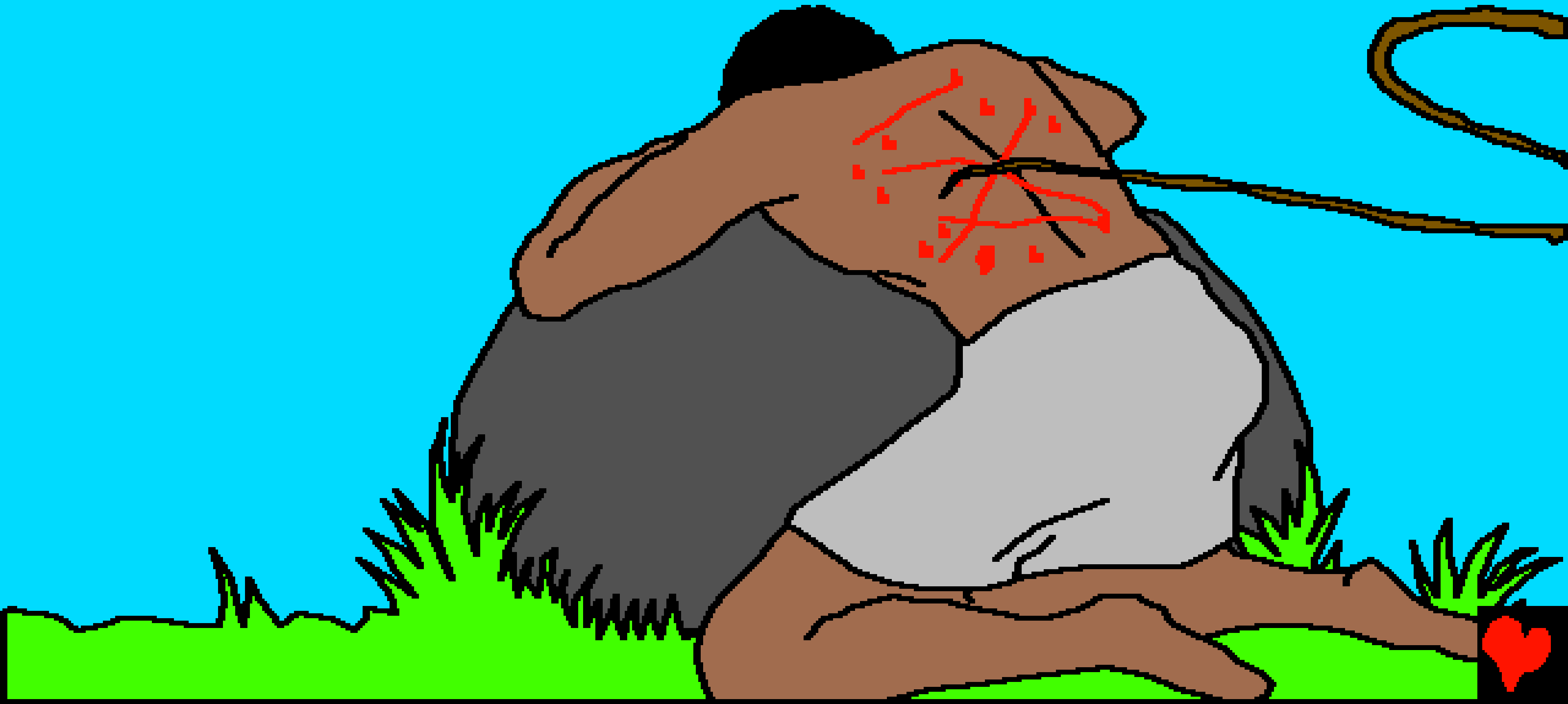

एक दिन स्तिफनुस नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। स्तिफनुस प्रभु यीशु को प्यार करता था। पवित्र आत्मा उसे यीशु के बारे में दूसरों को बताने के लिए इस्तेमाल कर रहा था।

कुछ लोगों ने स्तिफनुस पर परमेश्वर के खिलाफ बोलने का झूठा आरोप लगाया। उसका मजाक उउड़ाने के बाद, स्तिफनुस को यीशु में विश्वास करने के कारण, पत्थरवाह कर जान से मार दिया।

उसकी मृत्यु से पहले, स्तिफनुस, पवित्र आत्मा से भरा, स्वर्ग में टकटकी नजरों से परमेश्वर के दाहिने ओर खड़े यीशु मसीह और परमेश्वर की महिमा को देखा।

जैसे भीड़ स्तिफनुस पर पत्थरवाह करती रही, वह परमेश्वर को बुलाते हुवे कहा, "प्रभु यीशु, मेरी आत्मा को ग्रहण कर" फिर, क्रूस पर यीशु की मृत्यु की तरह, ...

... इस बहादुर परमेश्वर के जन ने उसके हत्यारों को माफ करने के लिए प्रार्थना किया और अंतिम साँसे ली।

स्तिफनुस की मौत ने उत्पीड़न की एक नई लहर शुरू कर दिया। स्तिफनुस के हत्यारों को मदद करने वाला शाऊल नाम का एक युवक, हर मसीहियों को, जो कोई उसे मिलता गिरफ्तार करने लगा।

उनमें से बहुतेरों ने अपने घरों को छोड़कर भाग गये; तथा यहूदिया और सामरिया में फैले गये। केवल प्रेरित ही यरूशलेम में रुके रहे।

जबकि उनके दुश्मनों ने उन्हें मारने की कोशिश की; पर बिखरे हुए लोग जहाँ कहीं भी गये; यीशु का शुभ सन्देश हर जगह ले गये।

कोई भी यीशु के अनुयायियों को रोक न सका - क्योंकि परमेश्वर की पवित्र आत्मा उन में वास करता और उन के द्वारा काम करता था।

कलीसिया का मुसीबतों से सामना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

प्रेरितों के काम 5-7

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16